>

Title: Regarding alleged quota row in Thapar University.

**श्री रवनीत सिंह (आनंदपुर साहिब):** महोदय, मैं सरकार का ध्यान पंजाब में पटियाला में स्थित थापर यूनिवर्सिटी में चल रहे विवाद की ओर ले जाना चाहता हूं। इस इंस्टीट्यूट का उद्घाटन हमारे पूर्व राÂट्रपति माननीय राजेन्द्र प्रसाद जी ने किया था। वÂान 1985 में यूजीसी, 1956 एक्ट के सेक्शन तीन के तहत 250 एकड़ में फैले इंजीनियरिंग कॉलेज को यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला था, आज वहां इंजीनियरिंग, साइंस, मैनेजमेंट और सोशल साइंस के अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कराए जाते हैं। अब तक यहां से 12,000 से अधिक स्टूडेंट्स ने शिक्षा हासिल की है, अपनी जिंदगी में बुलंदियों को छुआ है और समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान किया है। इस तरह हजारों परिवारों की जिंदगी बनाने वाली यह यूनिवर्सिटी पंजाबियों के दिलों के बहुत करीब है। वÂान 1986 से पहले यहां पंजाब से संबंधित छात्रों के लिए यहां 85 प्रतिशत सीट्स रखी गयी थीं, फिर भी यह देश के टॉप इंस्टीट्यूट्स में शामिल था। वÂान 1986 के बाद थापर यूनिवर्सिटी में ...(व्यवधान) पंजाब से संबंधित छात्रों के लिए सीटों की संख्या घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। तब भी यह यूनिवर्सिटी देश की टॉप टेक्नीकल यूनिवर्सिटीज में से एक है, जो हमारे लिए फLा की बात है। पिछले दिनों थापर यूनिवर्सिटी में पंजाब के छात्रों के लिए जो 50 प्रतिशत कोटा था, उसे काट दिया गया है, जिससे बहुत निराशा की स्थिति है और पंजाब में बहुत बवाल हुआ है। पंजाब ने टेररिज्म देखा है, ...(व्यवधान) इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि 50 प्रतिशत कोटे को सरकार बहाल करे और पंजाब के नौजवानों को इसका लाभ मिले।

MR. CHAIRMAN : Shri Vijay Inder Singla is allowed to associate himself with the issue raised by Shri Ravneet Singh.